खबर संक्षेप

पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन कर पानी को बनाया जा रहा सुरक्षित

शहडोल। जिले में आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पेयजल स्रोतों का नियमित रूप से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मैदानी अमले द्वारा क्लोरीनेशन का कार्य किया जा रहा है। हैंडपंप, नलकूप, कुएं एवं टंकियों में निर्धारित मात्रा में क्लोरीन का प्रयोग कर पानी को संक्रमण मुक्त किया जा रहा है। क्लोरीनेशन के माध्यम से जल में मौजूद हानिकारक जीवाणु एवं सूक्ष्मजीव नष्ट कर दिए जाते हैं, जिससे पानी पीने योग्य हो जाता है और जलजनित बीमारियों जैसे हैजा, डायरिया, टाइफाइड आदि की रोकथाम होती है।

पपौंध पुलिस द्वारा दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के पपौंध थाना क्षेत्रांतर्गत 06 जुलाई को फरियादिया द्वारा थाना उपस्थित आकर राजभान सिंह गोंड के उसके घर में जबरन प्रवेश कर उसके साथ दुष्कर्म करने की रिपोर्ट की। फरियादिया ने अपने आवेदन में उल्लेख किया कि घटना के समय वह घर पर अकेली थी, उसके पिता दुकान पर और माता जिला चिकित्सालय शहडोल में थीं। तभी आरोपी राजभान सिंह गोंड घर में घुस आया था। रिपोर्ट पर आरोपी राजभान सिंह गोंड निवासी ग्राम बहेरिया के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) 332 बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। फरार आरोपी राजभान सिंह गोंड को पपौंध पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है।

चैन स्नेचिंग करने वाला आरोपी धराया

शहडोल। जिले के अमलाई थाना क्षेत्र में 80 वर्षीय वृद्धा के साथ चैन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने 5 जुलाई को बुजुर्ग महिला के घर पहुंचकर पानी मांगने के बहाने वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार अमलाई निवासी पान कुंवर त्रिपाठी उम्र 80 वर्ष अपने घर में अकेली थीं। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उनके दरवाजे पर आया और खुद को प्यासा बताते हुए पानी मांगा। जब महिला पानी देने के लिए घर के अंदर गई और वापस लौटी, तभी आरोपी ने अचानक उनके गले से सोने की चेन छीन ली और मौके से भाग निकला। पीड़िता के पुत्र अशोक त्रिपाठी ने तत्काल अमलाई थाने में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही थाना प्रभारी जे.पी.शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में सघन पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान संदेह के आधार पर लालचंद केवट नामक स्थानीय युवक को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया और बताया कि उसने चेन को घटना के तुरंत बाद छिपा दिया था। पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर लगभग 80 हजार रुपये कीमत की चेन बरामद कर ली है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

श्री गुरु पूर्णिमा पर प्रत्येक मंडलों में साधु-संतों, गुरुओं का होगा सम्मान

शहडोल। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार श्री गुरु पूर्णिमा के अवसर पर साधु, संतों, गुरुओं का सम्मान कार्यक्रम किया जाना है, प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा के नेतृत्व में 10 जुलाई को श्री गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव धूमधाम से जिले के प्रत्येक मंडलों में साधु संतों गुरुओं का सम्मान किया जाएगा साथ ही शहडोल नगर के मोहन राम, जानकी मंदिर, घरौला नाथ हनुमान जी मंदिर एवं कल्याणपुर हनुमान मंदिर में साधु, संतों, गुरुओं का सम्मान कार्यक्रम किया जाएगा साथ ही जिले व नगर के विभिन्न धार्मिक स्थलों एवं अन्य जगहों में भी विभिन्न क्षेत्रों के गुरुओं का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष ने बताया कि इस वर्ष श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव आषाढ़ पूर्णिमा को मनाया जा रहा है, श्री गुरु पूर्णिमा एक ऐसा दिन है, जब हमारे देश एवं संस्कृति में सभी क्षेत्र के गुरुओं का सम्मान किया जाता है, उन्होंने बताया कि श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव को धूमधाम से मनाने के लिए समस्त तैयारियां की जा रही है। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने जिला स्तरीय टोली का गठन करते हुए कार्यक्रम संयोजक के रूप में दौलत मनमानी एवं सहसंयोजक रविकरण त्रिपाठी व पुष्पेंद्र पटेल को श्री गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तीन भाइयों की नाले में डूबने से मौत

शहडोल। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र के रोहनिया ग्राम में नहाने गए तीन भाइयों की नाले में डूबने से मौत हो गई है, घटना की जानकारी लगने के बाद मौके पर थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ पहुंच मामले की जांच में जुट गये, तीनों भाई स्कूल से आने के बाद नाले में नहाने पहुंचे थे, जिसमें डूबने से तीनों की मौत हो गई है। सोहागपुर पुलिस ने बताया की थाना क्षेत्र के रोहनिया के केरहाई टोला में यह घटना मंगलवार शाम 6 बजे घटी, पुलिस के अनुसार मृतकों में दो सगे भाई एवं एक रिश्ते का भाई शामिल है। थाना प्रभारी ने तीनों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि इस घटना में साहिल यादव पिता ब्रजेश यादव उम्र 09 वर्ष, शौर्य यादव पिता ब्रजेश यादव उम्र 7 वर्ष, शिवम यादव पिता शिवलाल यादव उम्र 10 वर्ष शामिल है। तीनों निवासी ग्राम रोहनिया केरहाई टोला थाना सोहागपुर के रहने वाले थे।

नहाते-नहाते चले गये गहरे पानी में

पुलिस ने बताया कि तीनों बालक स्कूल से घर वापस लौटे थे, उस दौरान उनके माता-पिता खेत में काम कर रहे थे, जिसका फायदा बच्चों ने उठाया और समीप स्थित स्थानीय नाले में तीनों नहाने चले गए, उस दौरान गांव का ही एक और बच्चा वहां पहले से मौजूद था, इन तीनों जब गहरे पानी में नहा रहे थे, तो पहले से मौजूद बालक ने इन्हें नहाने से मना किया, लेकिन तीनों भाइयों ने उसकी बात नहीं मानी और नहाते-नहाते गहरे पानी में चले गए, जिसमें डूबने से तीनों की मौत हो गई है।

लोगों के पहुंचने से पहले डूबे

पहले से मौजूद बालक ने इन्हें डूबता देखा और गांव में आकर इसकी जानकारी दी, जिसके बाद गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो तीनों डूब चुके थे। मामले की जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी ,मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों भाइयों के शव को नाले से बाहर निकलवाकर अपने कब्जे में ले लिया, घटना के बाद से ही गांव में मातम फसरा है। थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि मामले पर मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। जिन तीनों बच्चों की मौत हुई है, उसमें दो सगे भाई एवं एक रिश्ते का भाई शामिल है, घटना गांव के नाले में हुई है।

भुगतान व निलंबन के बाद रविवार को सकंदी विद्यालय में पुताई

पूरे प्रदेश में 19 करोड़ रूपये भेजकर भवनों का कायाकल्प करना था उद्देश्य

स्कूल शिक्षा विभाग के विद्यालयों में पटे पड़े लाखों के फर्जी बिल

प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में 4 लीटर पेंट, 168 मजदूर और 75 मिस्त्रियों के कारण सुर्खियों में आये सकंदी विद्यालय में निलंबन के बाद रविवार को पेंट की जगह घटिया डिस्टेम्पर लगाकर स्कूल शिक्षा विभाग ने कोरम पूरा किया, निपनिया के साथ ही आधा दर्जन अन्य विद्यालयों में भी भ्रष्ट डीईओ द्वारा जिला प्रशासन की सह पर लाखों के फर्जी बिलों के भुगतान किये व किये जा रहे हैं।

ब्यौहारी/ शहडोल।

24 अप्रैल को स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा शहडोल ही नहीं बल्कि प्रदेश के कई जिलों में स्कूलों की संख्या के हिसाब से न्यूनतम 25 और अधिकतम 50 लाख रूपये विद्यालय के भवनों की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए भेजे गये थे, जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा सुर्खियों में आये सकंदी व निपनिया विद्यालय के साथ ही ब्यौहारी विकास खण्ड के दर्जन भर अन्य विद्यालयों में भी कई मदों में लाखों नहीं बल्कि करोड़ों रूपये भेजे गये, डीईओ फूल सिंह मारपाची तथा उन्हें कठपुतली की तरह चलाने वाले अरविंद पाण्डेय ने शहडोल से ब्यौहारी के विद्यालयों में भेजी गई लाखों की राशि में एक हाथ ले और दूसरे हाथ दे, वाली कहावत की तर्ज पर काम किया। लाखों रूपये आवंटन के बाद उन्हें खुद व जिला प्रशासन में बैठे वरिष्ठ अधिकारियों के लिए वापस ले लिया गया। यही कारण है कि बेपर्दा होने के बाद भी जिले के जिम्मेदार अधिकारी डीईओ पर कार्यवाही करने में परहेज कर रहे हैं और प्राचार्यों में किसी को निलंबित और किसी को नोटिस देकर कोरमपूर्ति में लगे हुए हैं।

ग्राउण्ड रिपोर्ट में खुली कलई

मंगलवार को सकंदी और निपनिया विद्यालय में हरिभूमि की टीम ने मामले की सच्चाई जानने के लिए जब ग्राउण्ड जीरो पर जाकर विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों, ग्रामीणा और शिक्षकों से संपर्क किया तो, प्रशासन के तमाम दावों जिसमें लाखों के भुगतान को सही ठहराने और उसके बाद एसडीएम तथा सीईओ की संयुक्त जांच और उसके बाद की गई कार्यवाही की धज्जियां उड़ती दिखी, विद्यालय में पेंट के नाम पर सिर्फ 4 से 6 दरवाजों को ही पोता गया था, वह भी एक दिन पहले रविवार को ही। दरवाजे और खिड़कियों को पोता गया, दीवारों में रोगन के लिए ऑयल पेंट का जिक्र और बिलों में भुगतान जरूर किया गया हो, लेकिन हकीकत में रविवार को घटिया गेरू युक्त डिस्टेम्पर पोता गया था, जो हलका पानी डालने पर ही परत उधड़ता हुआ नजर आया, विद्यालय के बच्चों और अतिथि शिक्षक सहित प्रभारी प्राचार्य ने भी रिकार्डेड वीडियो में इस बात की पुष्टि की। यह कि पहले कुछ नहीं बल्कि रविवार को जांच और कार्यवाही के बाद यह सब किया गया। वहीं छत की मरम्मत के नाम पर एक ट्राली रेत, चंद बोरी सीमेंट और आधी ट्राली बजरी बमुश्किल खर्च की गई, शेष बजरी और रेत आज भी विद्यालय प्रांगण में फर्जीवाड़े का गुणगान करते नजर आ रही है।

निपनिया के हालात और भी बदतर

ग्राम निपनिया में स्थित हॉयर सेकेण्ड्री विद्यालय में भी 20 लीटर पेंट को 275 मजदूर के कार्य दिवस और 150 मिस्त्री के कार्य दिवस के एवज में दर्शाया गया था, यहां भी 10 नग खिडक़ी और 4 नग लकड़ी के दरवाजे पेंट और मजदूरी भुगतान के एवज में 2 लाख 31 हजार 650 रूपये का भुगतान किया गया, इस मामले की पड़ताल के दौरान पुराने खिड़कियों में पेंट ही करना सामने नजर आया, यही नहीं निपनिया में हॉयर सेकेण्ड्री विद्यालय के तीन अलग-अलग भवन देखे गये, पूर्व के प्रभारी प्राचार्य राधिका तिवारी को नोटिस देने के बाद मंगलवार को रामवचन सिंह प्रभारी प्राचार्य के रूप में कार्यभार सम्हाल रहे थे, उन्होंने बताया कि उनके सामने मई-जून में कोई कार्य नहीं हुआ, अलबत्ता इससे पहले टाइल्स आदि जरूर लगाये गये थे।

11 दिन भोपाल से सुधाकर < कंस्ट्रक्शन का सफर

स्कूल शिक्षा विभाग के साथ ही ब्यौहारी क्षेत्र के दर्जनों विद्यालय सुधाकर कंस्ट्रक्शन पर मेहरबान नजर आ रहे हैं। जिला शिक्षा कार्यालय और ऑफ रिकार्ड मुखिया के चहेते और जिला शिक्षा केन्द्र के मुखिया अरविंद पाण्डेय ने भोपाल से मिली राशि को स्कूलों में भेजने और कार्य करवाने के उपरांत भुगतान करवाने में इतनी तत्परता दिखाई, जिसका अनुशरण देश के सभी सरकारी विभागों को करना चाहिए, 24 अप्रैल को लोक शिक्षण संचनालय के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभागीय परिसंपत्तियों के संधारण योजना क्रमांक 9545 के अंतर्गत प्रदेश के लगभग जिलों में कुल 19 करोड़ राशि आवंटित किये जाने के आदेश दिये, शहडोल को भी 25 लाख रूपये की राशि प्राप्त हुई, जो विभिन्न विद्यालयों को भेजी गई, जिसमें सकंदी, निपनिया जैसे विद्यालय भी शामिल हैं। अचरज की बात तो यह है कि 24 अप्रैल को भोपाल से आदेश जारी हुए, उसके बाद यह राशि शहडोल भेजी गई, शहडोल डीईओ कार्यालय में विद्यालयों को चिन्हांकित कर सूचीबद्ध किया गया और राशि उनके खातों में अंतरित कर दी गई। इसके अगले दिनों में निपनिया और सकंदी जैसे अन्य विद्यालयों में मरम्मत का कार्य भी संपन्न हो गया। सुधाकर कंस्ट्रक्शन ने एक साथ कार्य संपन्न कराने के उपरांत 5 मई को विद्यालय को बिल सौंपे, उसी दिन विद्यालय ने इन बिलों को अपनी विभागीय प्रक्रिया पूरी करते हुए डीईओ कार्यालय शहडोल भेजा। जिन पर तत्परता दिखाते हुए एक ही दिन में डीईओ ने नोटशीट तैयार कर दी और 5 मई को ही नोटशीट क्रमांक 1744 से कोषालय को पत्र भेजकर कुल 3 लाख 34 हजार 636 रूपये का भुगतान भी करा दिया।

सुधाकर कंस्ट्रक्शन की बल्ले-बल्ले

स्कूल शिक्षा विभाग ने सुधाकर कंस्ट्रक्शन पर जो मेहरबानी दिखाई है, उसके शायद शहडोल कलेक्टर से लेकर कमिश्नर और भोपाल में बैठे अधिकारी तक कायल हो चुके हैं, यही कारण है कि कार्यवाही के नाम पर एक प्राचार्य को नोटिस और एक को निलंबित कर नाखून काटकर शहादत मनाने वाली कहावत को चरितार्थ किया जा रहा है, अकेले 5 जून से लेकर 30 जून तक के महज 26 दिनो में स्कूल शिक्षा विभाग ने ट्रेजरी के माध्यम से बिना कार्यो का भौतिक सत्यापन, मूल्यांकन और कार्य की पूर्णता हुए बिना ही लाखों के भुगतान कर दिये, इन भुगतानों में 5 जून को 3 लाख 37 हजार 3 सौ 63, 30,06,25 को 4 लाख 80 हजार, 30,06,25 को फिर 4 लाख 80हजार , 30,06,25 को फिर 4 लाख 80हजार , 30,06,25 को फिर 5 लाख 99 हजार 6 सौ 96 कुल 23 लाख 77 हजार 58 रु शहडोल कोषालय से सुधाकर कंस्ट्रक्शन को गया, इसके पहले के माहों में भी लाखों का भुगतान आंखे मूंदकर किया गया।

चोरी करते रंगे हाथ

पकड़ाया शासकीय कर्मचारी

परिषद के मुखिया ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

शहडोल। भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद जिम्मेदार कर्मचारी निजी लाभ के लिए नियमों को ताक पर रखने से नहीं चूक रहे। जिले की जयसिंहनगर नगर परिषद में सामने आए ताजा मामले ने सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां परिषद कार्यालय से दो दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी स्वयं चोर बन बैठे और कार्यालय में रखे सामान को चोरी करने की योजना बनाकर छुट्टी के दिन उसे अंजाम देने पहुंचे। सीएमओ द्वारा जयसिंहनगर थाना में दी गई, शिकायत के अनुसार शनिवार को दोपहर करीब 2 बजे बसंतलाल यादव और घुरसेन सिंह बिना किसी अनुमति के नगर परिषद में रखे हैंडपंप उपयोग हेतु लिंक रॉड एवं अन्य सामान को एक बिना नंबर की ऑटो में लादकर ले जा रहे थे। उसी समय एक स्थानीय लोगों की सूचना पर सीएमओ के निर्देशन में नपा परिषद के कर्मचारियों ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया गया। मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई है।

साजिश के मास्टरमाइंड की तलाश

चर्चा है कि दोनों कर्मचारियों के पास इतनी हिम्मत नहीं कि वे किसी बड़े अधिकारी की शह के बिना शासकीय सामग्री उठाकर बाहर ले जाएं। जानकारों के अनुसार नगर परिषद के जल शाखा सहित अन्य शाखाओं के प्रभारी लंबे समय से बिना निगरानी के अपने मनमर्जी के तर्ज पर अपने कार्यों को चला रहे है, जिसमें आए दिन सामग्री की निकासी हो रही है, लेकिन सामग्री के उपयोग का उल्लेख किसी पंजी में नहीं है। यह भी संदेह जताया जा रहा है कि चोरी का यह मामला सिर्फ एक उदाहरण है, यदि प्रभारियों द्वारा कराए गए कार्यों के सामग्रियों की जांच की जाए तो , कई सामग्रियों की अनुपयोगिता सामने आ सकती है। बताया जा रहा है कि चोरी किया गया लिंक रॉड एवं अन्य सामान नगर की ही एक निजी दुकान में बेचे जाने की मंशा थी।

नोटिस के बाद नेताओ की दखलंदाजी

शिकायत के चार दिन बीतने के बाद भी दोनों आरोपी कर्मचारी अभी भी नगर परिषद कार्यालय में ड्यूटी कर रहे हैं। सीएमओ द्वारा नोटिस तो दिया गया और विभागीय कार्रवाई की शुरुआत तेजी से नहीं कि जा रही है। सूत्रों का कहना है कि यह जानबूझकर की गई ढिलाई हो सकती है, संभवतः स्थानीय कई नेताओं का दबाव इस कार्रवाई में बाधक बन रहा है। यह मामला सिर्फ चोरी का नहीं बल्कि शासन-प्रशासन की लचर कार्यप्रणाली का भी है, जहाँ अपराधियों को अभयदान मिलता नजर आ रहा है। भाजपा के प्रदेश नेतृत्व द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ स्पष्ट निर्देश देने के बावजूद, जमीनी स्तर पर स्थानीय नेता चोरी जैसे गंभीर अपराध पर भी चुप्पी साधे हुए हैं। ऐसे में आम जनता का भरोसा सरकारी संस्थानों से उठना स्वाभाविक है। नगर परिषद में हुए इस प्रकरण ने साफ कर दिया है कि अब खुद शासकीय कार्यालय भी सुरक्षित नहीं हैं। यदि समय रहते जिम्मेदार अधिकारी ठोस कार्रवाई नहीं करते, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं आम बात हो जाएंगी, जिससे जनता के बीच शासन की छवि और भी खराब होगी।

इनका कहना है...

दोनों कर्मचारियों को नोटिस जारी किया है और जवाब नही प्राप्त हुआ है तो , दूसरी नोटिस जारी की जा रही है। कार्य में कर्मचारी अनुपस्थिति है, जब तक संतोषजनक जवाब नहीं मिलेगा कार्य पर नहीं रखा जायेगा, जल्द ही कार्यमुक्त की कार्रवाई की जाएगी।

सचिन कचेर
सीएमओ, नगर परिषद जयसिंहनगर

थाने में सूचना प्राप्त हुई है, जांच कर जल्द एफआईआर दर्ज की जाएगी।

अजय बैगा
थाना प्रभारी, जयसिंहनगर

बस ने बाइक को मारी ठोकर, दो की मौत

शहडोल।

जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र के लोढ़ी गांव में सोमवार की शाम शहडोल से जनकपुर जा रही तेज रफ्तार बस ने बाइक को ठोकर मार दी, जिसमें सवार दो लोगों की मौके पर मौत हो गई है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इक_ा हो गई, जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सूरज कंपनी की बस क्रमांक एम पी 18 पी 2187 शहडोल से जनकपुर की ओर जा रही थी, तभी तेज रफ्तार बस ने लोढ़ी के पास सामने से आ रही बाइक को ठोकर मार दी , जिसमें सवार रामगोपाल यादव उम्र 32 वर्ष एवं रवि कोल उम्र15 वर्ष की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। दोनों मृतक गांव के ही रहने वाले हैं। जिससे घटनास्थल पर परिजन एवं गांव के लोग काफी संख्या में इक_ा हुए थे। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। जानकारी लगने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने अपनी पड़ताल शुरू की, पुलिस ने बताया कि मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को पीएम के लिए गोहपारू अस्पताल लाया गया है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, घटना के बाद बस चालक मौके से बस छोड़ भाग गया, पुलिस ने बस को मौके से जप्त कर लिया है। बस में सवार लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचने का वाहन का पुलिस ने इंतजाम किया।

कमिश्नर ने सुनी लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को दिए समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और समस्याओं तथा शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के ग्राम पंचायत चाका निवासी कमलेश गुप्ता ने कसेड नाला के पास पुलिया निर्माण, ग्राम खन्नौधी निवासी बालमुकुंद तिवारी ने गोहपारू राजस्व विभाग के अधिकारियो एवं कर्मचारियो के द्वारा अकारण परेशान न करने, बाणगंगा पेट्रोल पंप शहडोल निवासी संजना मिश्रा ने पेड़ की छटाई करने, उमरिया जिले के ग्राम देवगंवा निवासी लाला बैगा ने बेदखली के आदेश को निरस्त करने, ग्राम पंचायत उमरिया जिला शहडोल निवासी श्रीमती प्रभा शर्मा ने ग्राम मेढक़ी में विद्युत पोल लगवाने के लिए आवेदन कमिश्नर को दिए। जिस पर कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए।

कलेक्टर ने दूर-दराज से आए लोगों की सुनी समस्याएं

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं व शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में जिले के ग्राम कुदरी निवासी कुवरिया बैगा ने पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा दिलाने, ग्राम दियापीपर निवासी मो. अब्दुला ने विद्युत कनेक्शन राशि की रसीद दिलाने, शहडोल वार्ड नम्बर 28 निवासी राकेश चक्रधारी ने आधार अपडेट कराने, शहडोल वार्ड नंम्बर 18 निवासी फिरोज खान ने भगवती इंडिया मोटराइजर शो रूम से किये गए कार्यों का परिश्रमिक भुगतान कराने के लिए आवेदन कलेक्टर डॉ.केदार सिंह को दिए। जिस पर कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अन्य प्राप्त आवेदनों को कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर प्रेषित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

झमाझम बारिश में महिलाओं की पद यात्रा रवाना

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत 8 जुलाई को ग्राम पंचायत पड़रिया के ग्राम चोई से महिलाओं का पदयात्रा रवाना हुआ है। पदयात्रा अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति के बैनर तले प्रारंभ हुआ। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति के अध्यक्ष श्रीमती पार्वती राठौर के नेतृत्व में यह पदयात्रा रवाना हुआ है। यह पदयात्रा 9 जुलाई को ऑल इंडिया स्ट्राइक के समर्थन में चोई से चलकर जिला मुख्यालय अनूपपुर में सीटू के आह्वान पर धरना प्रदर्शन एवं आम सभा में शामिल होगी। महिलाओं का कहना है कि माइक्रो फाइनेंस कंपनी के प्रबंधन एवं दलाल के साथ गांठ से धोखाधड़ी कर लाखों रुपए का कर्ज महिलाओं के सिर पर मढ दिया गया है इस संबंध में थाना जैतहरी में 22 फरवरी 2024 को अपराध पंजीबद्ध किया गया है, किंतु आज तक अपराधियों की धर पकड़ एवं गिरफ्तारी नहीं हुआ है, जिससे महिलाएं अपने बाल बच्चों के एवं परिवार के भविष्य को देखते हुए यह पदयात्रा प्रारंभ की गई है। महिलाएं एवं ग्रामीण जनों के बीच इस घटना को लेकर के असंतोष व्याप्त है। उक्त आशय की जानकारी सीटू नेता कामरेड जुगल किशोर राठौर ने देते हुए मांग किया है कि माइक्रो फाइनेंस के प्रबंधन एवं दलाल को अति शीघ्र गिरफ्तार कर महिलाओं को न्याय दिलाया जाए।

अधेड का कुएं में मिला शव

हरिभूमि न्यूज कोतमा। थाना अंतर्गत अंतिम छोर में स्थित गोडारु गांव में रहने वाले रामसुंदर अगरिया 55 वर्ष का शव कुआं में मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जाता है कि रामसुंदर अगरिया रात में खाना खाकर सोए थे जिनका शव सुबह कुएं में देखा गया। आशंका है कि सुसाइड किया गया होगा। मृतक के कोई संतान नहीं थे एवं पत्नी भी वर्षों पहले चली गई थी। घटना की सूचना भतीजे दुर्गेश अगरिया के द्वारा थाना कोतमा में दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल पहुंच शव परीक्षण उपरांत पीएम कार्यवाही कर परिजनों को सौंप दिया। मामले में मर्ग कायम करते हुए जांच की जा रही है। मौत का कारण अज्ञात बताया जा रहा है। घटना को लेकर हैं में चर्चा बनी हुई है।

उपयंत्री कर रहे घर बैठे मूल्यांकन

पंचायत में स्ट्रीट लाईट के नाम पर हुआ भ्रष्टाचार

गांव के गली मोहल्ले को रोशन करने के लिए सरकार ने गांवों में लाइटें लगाने का निर्णय लिया, लेकिन यह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है। लाइटों में घटिया किस्म के सामान लगाए गये हैं। लाइट क्रय करने में भारी अनियमितता हुई है। पंचायत के जिम्मेदारों ने अपने चहेते ठेकेदारों को काम दिया, साथ ही लाइटों में दोयम दर्जे के सामान का प्रयोग किया गया है। इस कारण यह कितने दिन मोहल्लों को रोशन करेंगी, यह तो आने वाला समय ही बतायेगा।

दोयम दर्जे की ओदरी पंचायत में लगी स्ट्रीट लाईट

उमरिया। बड़े घोटालों पर अक्सर चर्चा होती है, लेकिन ग्राम पंचायत स्तर पर हो रहे भ्रष्टाचार पर किसी का ध्यान नहीं जाता, ग्राम पंचायतों की योजनाओं में बड़ी संख्या में घोटाले होते हैं, जिनकी न तो सही जांच होती है और न ही जिम्मेदारों पर कार्रवाई ही होती है, बिरसिंहपुर पाली जनपद की ग्राम पंचायत में सरकारी धन के दुरुपयोग के कई मामले सामने आए हैं, यहां बगैर मजदूर पुलिया का निर्माण, परिजनों फर्म खुलवाकर उसका भुगतान, बगैर निर्माण कार्य किये राशि का आहरण, बगैर मुरूम खदान लाखों का भुगतान, कागजों में संचालित फर्म को भुगतान जैसे तमाम मुद्दे हैं, जिनकी समय-समय पर शिकायतें हुई, लेकिन कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति तक नहीं की गई। तकनीकी अमला लगभग हर निर्माण के भ्रष्टाचार में शामिल है, यह अलग बात है कि भ्रष्ट कर्मचारियों को जनपद से लेकर जिले में बैठे जिम्मेदारों का संरक्षण प्राप्त है।

यह है मामला

जनपद पंचायत बिरसिंहपुर पाली की ग्राम पंचायत ओदरी में स्ट्रीट लाईट का कार्य पांचवे राज्य वित्त से हुआ है, उक्त कार्य की स्वीकृत 15 अगस्त 2024 को विभाग द्वारा दी गई थी, 5 लाख की लागत से गांव को की सडक़ों को रोशन करने की शासन की मंशा थी, जिसमें उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया जाना था, लेकिन धरातल पर जाकर देखा जा सकता है कि पंचायत ने तकनीकी अमले के साथ मिलकर घटिया सामग्री का भुगतान बाजार से ज्यादा दाम पर कर दिया।

पूरे खेल में उपयंत्री की भूमिका संदिग्ध

बिरसिंहपुर पाली जनपद की ग्राम पंचायतों में बीते माहों में स्ट्रीट लाईट एवं सोलर लाईट का जमकर कार्य हुए हैं, ओदरी पंचायत में लगी लाईट को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिम्मेदार उपयंत्री द्वारा दोयम दर्जे की लाईट का मूल्यांकन घर बैठे कर दिया, विद्युत विभाग से जुड़े जानकारों की माने तो, ओदरी पंचायत में लगी लाईटों का अगर स्वतंत्र एजेंसी से पुनः मूल्यांकन कराया जाये तो, उपयंत्री द्वारा किया गया कारनामा उजागर हो सकता है।

फर्म के नाम पर बड़ा खेल

ग्राम पंचायत ओदरी में जिस फर्म ने स्ट्रीट लाईट का कार्य किया, वह शहर के अदरूनी हिस्से में संचालित है या नहीं, यह तो स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन पंचायत के सचिव एवं सरपंच ने आखिर इतनी अंदर संचालित फर्म को कैसे खोज निकाला, यह भी सोचनीय पहलू है, इसके साथ ही शहर में कई ऐसी प्रतिष्ठित और बड़ी फर्में मौजूद हैं, जिनके द्वारा अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री के साथ कम दाम पर काम किया जा सकता था, लेकिन कमीशन की लालच में यह खेल-खेला गया, वाणिज्य कर विभाग को भी एक बार धरातल पर जाकर यह जांच जरूर करना चाहिए कि वाणिज्य कर विभाग से रजिस्ट्रेशन नंबर लेकर फर्म का

संचालन हो रहा है कि बिल बाटने का खेल पंचायत-पंचायत चल रहा है।

इनका कहना है...

पंचायत में लगभग 45 लाईट लगी है।

सुश्री शुभी सिंह बघेल
सचिव
ग्राम पंचायत ओदरी

****

पंचायत में 60 से 65 लाईट लगी है, आप जाकर देख सकते हैं। सामग्री हमने सही दी है, उपयंत्री द्वारा मूल्यांकन किया गया है। हालाकि कार्य काफी पुराना है।

वेण्डर
मेसर्स अनू इंटर प्राईजेज
वार्ड नंबर 16 पटेल नगर, शहडोल

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्य योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि कार्य योजना बनाकर गतिविधियों का आयोजन किया जाए। इसके साथ ही नवाचार के माध्यम से भी गतिविधियां आयोजित की जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी , सीएमओ उमरिया किशन सिंह, सीएमएचओ डा व्ही एस चंदेल, जिला शिक्षा अधिकारी, उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग दिव्या गुप्ता, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष शशि शुक्ला गौतम, सदस्य रविशंकर तिवारी, रावेन्द्र सिंह, कृष्णा तिवारी, मधुलिका अग्रवाल सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं

शिकायतों के निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिले के दूर दराज से आए लोगों की सस्याओं को सुना तथा शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए । जनसुनवाई में द्वारिका सिंह राठौर निवासी लालपुर ने ट्रायसिकल दिलाने, लालमनी रजक ग्राम हरदुआ ने पुस्तैनी कब्जा स्वत्व आराजियात पर जबरन बाल पूर्वक कब्जा करने, संजय कोल ग्राम खुटार ने आने जाने का रास्ता दिलाने, सुनीता निवासी पाली ने पांच माह से लाड़ली बहना योजना की राशि नही मिलनेए, धनेन्द्र तिवारी निवासी शारदा कालोनी ने सार्वजनिक रास्ता खुलवाने, मनोज तिवारी ग्राम बकेली ने शारदा स्व समूह को हटानेए, उशा देवी ग्राम रामपुर ने कैंसर के इलाज हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, भूरि बाई यादव ग्राम गढपुरी ने वृध्दा वस्था पेंशन दिलानेए ओम प्रकाश घंघरी ने भूमि से कब्जा हटवाने संबंधी आवेदन दिया । जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ़ कमलेश नीरज, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगलेए, हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

पेट्रोल पंप पर अनवरत जारी पेट्रोल चोरी का खेल

हरिभूमि न्यूज कोतमा। जिला मुख्यालय सहित नगर व कोयलांचल तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित लगभग सभी डीजल - पेट्रोल पंप पर कहने के लिए तो शुद्ध पेट्रोल सही नाप का ढिंढोरा पीटा जाता है। आम आदमी भी सही तेल, सही नाप की उम्मीद कर गाड़ियों में पेट्रोल, डीजल भरवाते हैं लेकिन यहां जो लगातार देखने में आता है कि जैसे ही जीरो देखने के लिए कहा जाता है वैसे ही नोजल के ट्रिगर को दो बार दबाया जाता है। पहले शुरू होते ही कट कर फिर दबाया जाता है तब तेल जाता है, लेकिन इस आंख-मिचौली खेल में रीडिंग खपत पन्द्रह से बीस रूपए पार कर जातीं हैं। इस संबंध में जब आपत्ति की जाती है तो अपनी चोरी छिपाने के लिए जवाब दिया जाता है कि यह आटोमेटिक पंप है इसके लिए दो बार दबाने पर

डीजल, पेट्रोल जाता है। अब सवाल उठता है कि जब दो बार नोजल दबाने पर तेल निकलता है तो बगैर तेल निकले पन्द्रह, बीस रूपए खपत की रीडिंग कैसे बढ जाती है। इस संबंध में जानकारों का कहना है कि मीटर जंप कराने का एक ऐसा खेल है जो हर किसी को समझ में नहीं आता। लेकिन आठ घंटे की ड्युटी सेल्स मैन पांच सौ से हजार रूपए की छिपे तौर पर कमाई करते हैं। इसमें कुछ हिस्सा भी तैनात लोगो का हो सकता है। बताया जाता है की मीटर जंप का खेल अधिकतर निजी पेट्रोल पंप में तैनात कर्मचारियों द्वारा किया जाता है जो तीन हजार रुपए महीने में आठ घंटे तेल बेचने की नौकरी करते हैं। अब इस तरह की होने वाली चोरी को रोकने के लिए कड़े कदम विभाग द्वारा उठाए जाने चाहिए ताकि जिस गुणवत्ता एवं सही माप के साथ पेट्रोल पंप खोला गया है उसकी विश्वसनीयता कायम रह सके। कोतमा नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र के पेट्रोल पंप पर ना खाद्य विभाग और ना ही सेल्स ऑफिसर जांच करते हैं जिसके कारण इस महंगाई के दौर पर पेट्रोल डीजल गाड़ी में भरवाने जाने वालों को दोगुनी मार उठानी पड़ रही है। आए दिन ग्राहकों की शिकायत रहती है कि पेट्रोल पंपों में तेल काम दिया जाता है वर्तमान में स्थित यह हो गई है कि कोई कोई ग्राहक तो वहां में तेल ना डलवा कर अपने साथ खाली वाटर लेकर जाते हैं और उसमें ही डीजल या पेट्रोल लेकर आते हैं इससे यह प्रतीत होता है कि धीरे-धीरे लोगों में पेट्रोल पंप में तैनात कर्मचारियों के प्रति विश्वसनीय खत्म होती जा रही है। जिला कलेक्टर से आम लोगों ने अपील की है कि पेट्रोल पंपों की हर 15 दिन में जांच करवाई जाए जिससे ग्राहकों को सही नाप में तेल मिल सके। विगत दिनों मुख्यमंत्री डां मोहन यादव के काफिले मे चल रहें वाहनों में ही जब तेल की जगह पानी भर दिया गया इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि पेट्रोल पंपों में क्या चल रहा है।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में मिशन वात्सल्य की निगरानी, मूल्यांकन एवं समीक्षा हेतु जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में बताया गया कि ऐसे हितग्राही जिनके एकल माता पिता हो, अर्थात जिनके पिता की मृत्यु हो गई हो को स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ प्रदाय किया जाता है । वर्तमान में उमरिया जिले अन्तर्गत कुल 427 बच्चों को स्पॉन्सारशिप योजना का लाभ प्रदाय किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि जिले में स्पॉन्सरशिप योजना से कोई भी पात्र हितग्राही नही छूटे । सामाजिक न्याय विभाग से सूची प्राप्त कर प्रत्येक प्रकरण का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को योजना से जोडने हेतु महिला बाल विकास विभाग को निर्देशित किया ।

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री बाल आर्शीवाद योजना के तहत ऐसे हितग्राही जिनके माता.-पिता दोनों की मृत्यु हो चुकी है उनको मुख्यमंत्री बाल आर्शीवाद योजना का लाभ दिये जाने का प्रावधान है। वर्तमान में उमरिया जिले अन्तर्गत कुल 107 बच्चों को

मुख्यमंत्री बाल आशीवाद योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। ऐसे हितग्राही जिनके माता.पिता की कोविड.19 के कारण मृत्यु हुई है, को पी0एम0 केयर्स फार चिल्ड्रन योजना से जोडा गया है। उमरिया में 2 बच्चों को पी0एम0 केयर्स फार चिल्ड्रन योजना से लाभान्वित किया गया है। कलेक्टर ने समय-समय पर काउंसलिंग एवं फालोअप करने के निर्देश दिए । कलेक्टर ने कहा कि ऐसे बच्चे जो रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड, सार्वजनिक स्थलों, मंदिरों चौराहे पर भीख माँगते हुये पाये जाने पर बाल कल्याण समिति के माध्यम से उनके माता-पिता को समझाईश देकर पारिवारिक पुर्नवास कराया जाये। जिले के सभी थानों, चाइल्ड लाईन द्वारा दस्तयाब बालकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर बाल कल्याण समिति उमरिया के माध्यम से उनका पारिवारिक पुर्नवास कराया जाये। बच्चों की नियमित काउंसलिंग की जाये एवं पात्रता अनुसार विभाग में संथालित योजनाओं से जोड़ा जाये।

जिले में संचालित चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 का प्रचार प्रसार किया जाये ताकि अनाथ, निराश्रित, परित्यक्त, बेसहारा, गुमशुदा एवं घर से भागे हुए बालकों, ऐसे बच्चे जिनके माता.-पिता नहीं हैं अथवा पालने में सक्षम नहीं हैं, विपत्तिग्रस्त हैं अथवा कठिन परिस्थितियों में रह रहे है हिंसा, दुव्र्यवहार से बचाये हुये मानसिक एवं शारीरिक रूप से मंद या बीमार बच्चे, मानव तस्करी, मिक्षावृत्ति या सडक़ों पर निवास करने वाले बच्चे मिलने पर जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को देकर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर उनकी देखरेख एवं संरक्षण की व्यवस्थायें सुनिश्चित कराई जा सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगलेए, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष शशि शुक्ला गौतम, सदस्य रविशंकर तिवारी, रावेन्द्र सिंह ए मधुलिका अग्रवाल, कृष्णा तिवारी, सीएमओ उमरिया किशन सिंह, सीएमएचओ डा व्ही एस चंदेल, श्रम निरीक्षक उमाशंकर त्रिपाठी , जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिव्या गुप्ता सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

ग्रामीण सड़कों की दुर्दशा से आवागमन बाधित, विभागीय हीला हवाली से लोगों में गुस्सा

दो वर्ष में ही जर्जर हो गई पीएम योजना की सड़क

हरिभूमि न्यूज कोतमा। एक ओर प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत गांव में आवागमन सुगम बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछा रही है। लेकिन प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अधिकारियों एवं ठेकेदारों की मिली भगत के कारण ये सड़के दो साल के अंदर अपना अस्तित्व खोती नजर आती है। इसका प्रमुख कारण अधिकारियों एवं ठेकेदारों की मिली भगत से जमकर भ्रष्टाचार किया जाता है। कोतमा विधानसभा क्षेत्र में आज भी कई ऐसी प्रधानमंत्री सड़क है जो वर्तमान में अत्यंत ही जर्जर हो गई है सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं सड़क चलने लायक ही नहीं है। जबकि कोतमा विधानसभा क्षेत्र से ही संभाग के इकलौते मंत्री दिलीप जायसवाल ग्राम उद्योग मंत्री भी हैं। वर्तमान मे कई गांव की स्थिति आज भी यह है कि यहां चलने लायक सड़क भी नहीं है। जो सड़के हैं वह भी जर्जर हो चुकी हैं, सड़कों पर गड्ढे ही गड्ढे नजर आ रहे हैं।

गुणवत्ता विहीन कई सड़कें

शासन द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत गांव-गांव में सड़कों का जाल बिछा दिया गया है। लेकिन इन सड़कों के रखरखाव की ओर संबंधित कार्य एजेंसी द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने के कारण सड़कों की हालत बद से बदतर हो गई है। बारिश के दिनों में वाहन तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। यही नहीं ऐसी भी सड़कें हैं जो एक वर्ष में ही धराशाई हो गई है। जहां जगह-जगह सड़कों में गड्ढे बन गए हैं। सड़क निर्माण कार्य में जो डामर का उपयोग किया गया था। वह डामर पूरी तरह से बहकर आज बजरी के रूप में सड़कों में बिखरा हुआ है। जिसके कारण से आए दिन दो पहिया चार पहिया वाहन दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। यही नहीं आम नागरिकों को भी इन सड़कों में चलने में बड़ी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत वनांचल की सड़क मार्गों में यदि जनप्रतिनिधि अधिकारी निकल जाएं तो वे वास्तविक स्थिति का जायजा ले सकते हैं। आम जनता ऐसी सड़क निर्माण जहां शासन की राशि पानी की तरह बहा दिया गया हो लेकिन उसकी गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया गया है। आज गुणवत्ता विहीन कई ऐसी सड़कें हैं जो प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत सड़कों का निर्माण कराया गया है। इन सड़कों की बदतर स्थिति को देखकर आम जनता मे शासन प्रशासन के प्रति असंतोष पनपने लगा है।

विभागीय निरीक्षण का अभाव

सड़को के निर्माण के बाद सड़क के रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदारों व संबंधित कार्य एजेंसी विभाग की होती है लेकिन सड़क निर्माण के बाद उन सड़क निर्माण कार्यों को मुड़कर झांकने की फुर्सत नहीं है कि जो सड़क निर्माण का कार्य कराया गया है उसकी क्या स्थिति बरसात मे हुई भारी बारिश से जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। वहीं कई जगह सड़कों के निर्माण में जो गुणवत्ता विहीन सामग्री का उपयोग किया गया है। वह बह गया है। वनांचल के सड़क मार्गों में जानलेवा गड्ढे बन गए हैं। यह सड़क कोतमा विधानसभा क्षेत्र के कोतमा से लामाटोला जाने वाले मार्ग की है।

यहां के सड़क का हाल बेहाल

कोतमा से लामाटोला जाने वाली प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनाए गए निर्माण कार्य की सारी पोल खोल रहा है। सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के दिनों में पानी गड्ढों में भर जाता है, जिससे राहगीरों को बड़े-बड़े गड्ढे नजर नहीं आते हैं और प्रतिदिन ग्रामीण दुर्घटना के शिकार होते रहे हैं। दो पहिया वाहन चालक भी गड्ढे में गिर कर चोटिल हो रहे हैं। यही हाल कोतमा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत रेउला गांव का है। गांव के अंदर नवाटोला मोहल्ले की रोड अत्यंत जर्जर है पैदल चलना भी लोगों को दिक्कतों का कारण बनता है बड़े-बड़े गड्ढे हैं बारिश के दिनों में ग्रामीणों को परेशानी होती है यही विकास कार्य हुआ है ।

आश्वासन भूल गए माननीय

रेउला गांव निवासी मोहन यादव ने बताया कि बंजारी तिराहा से लामा टोला जाने वाली सड़क अत्यंत जर्जर हो गई है बड़े-बड़े गड्ढे निकल आए हैं बारिश के दिनों में तो गड्ढे नजर ही नहीं आते हैं। जिसके कारण आए दिन दुर्घटना घटित होती हैं कई बार सड़क की मरम्मत कराए जाने को लेकर हम लोगों के द्वारा कहा गया तो अधिकारियों से बात करके जल्दी मरम्मत का कार्य शुरू करवा देने का आश्वासन मिलता है लेकिन चुनाव के समय ही सब को विकास की याद आती है। यही हमारे गांव का विकास है। बुढानपुर गांव बंजारी चौक निवासी केके सोनी का कहना है कि बंजारी चौक से लामा टोला गांव जाने वाली प्रधानमंत्री सड़क अत्यंत जर्जर हो गई है। बंजारी चौक से रेउला मार्ग लगभग तीन किलोमीटर तक पूरी खराब हो गई है बड़े बड़े गड्ढे सड़क में हो गये हैं बारिश के कारण कीचड़ भी हो रहा है। हमारे द्वारा मुख्यमंत्री के नाम मंत्री दिलीप जायसवाल को सड़क मरम्मत कराये जाने के संबंध मे शिकायत पत्र भी दिया गया है।

निर्देश भी बेअसर

पिछले वर्ष बारिश के पूर्व शहडोल कमिश्नर के द्वारा विभागीय बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की हालत अत्यंत ही दयनीय है उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की स्थिति का जायजा लेते हुए बारिश पूर्व प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अंतर्गत कराए गए ठेकेदारों के माध्यम से निर्माण कार्यों को दुरुस्त करवाया जाए जिससे ग्रामीणों को सुगम यात्रा करने को मिल सके और बारिश के दिनों में किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो। लेकिन यह निर्देश अधिकारियों के लिए मात्र दिखावा ही साबित हो रहा है। अधिकारियों के द्वारा ना तो प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़कों का निरीक्षण किया गया और ना ही बारिश पूर्व सड़कों का मरम्मत कार्य करवाया गया निर्देश को एक वर्ष बीत गया। जिससे यह निर्देश बे असर साबित होता नजर आ रहा है।

कर देते हैं मूल्यांकन

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कोतमा विधानसभा क्षेत्र की कई ऐसी सड़के हैं जिनका निर्माण कार्य ठेकेदार के माध्यम से करवाया गया है लेकिन ठेकेदार और अधिकारी की मिली भगत के कारण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के

उपयंत्री एवं अधिकारियों के द्वारा सड़क की गुणवत्ता की जांच किए बगैर ही मूल्यांकन का कार्य कर दिया जाता है अगर इस सड़क का निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाता तो एक साल के अंदर सड़कों की यह दुर्दशा नहीं होती। मध्य प्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल को इन सड़कों का निरीक्षण करवाते हुए जर्जर सड़क की मरम्मत कार्य कराए जाने के निर्देश अधिकारियों को देने चाहिए। तथा इन खराब सड़कों की गुणवत्ता की भी जांच करवाते हुए दोषी अधिकारी एवं ठेकेदार के विरुद्ध कार्यवाही करवानी चाहिए। क्योंकि उन्होंने हर बैठक में यह निर्देश दिया हुआ है कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा यदि ठेकेदार के द्वारा गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य किया गया है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। लेकिन उसके बावजूद भी अधिकारी एवं ठेकेदारों के द्वारा निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है । जिसके कारण आज सड़कों की यह दुर्दशा है।

इनका कहना है

इस संबंध में संबंधित विभाग को निर्देशित करते हुए सड़क निर्माण का कार्य कराया जाएगा।

दिलीप कुमार पांडे
अपर कलेक्टर अनूपपुर

खबर संक्षेप

पटेल नगर में चोरी से दिया जा रहा नल कनेक्शन

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत भोगिया रोड पटेल नगर में नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा कुछ स्थानीय लोगों को नगर परिषद में बिना रसीद कटाये उनको कनेक्शन दे दिया गया नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा स्वयं अपने यहां भी नल कनेक्शन निशुल्क रूप से कर लिया । स्थानीय लोगों की मांग रही थी नए कनेक्शन की जांच गहन रूप से करें वैधानिक कनेक्शन से यह नुकसान है कि उनका कोई रसीद भी नहीं कटवानी पड़ेगी साथ ही उनके महीना वाला बिल भी फ्री रहेगा नगर वासियों द्वारा कलेक्टर से मांग की गई थी पटेल नगर में नए किए गए कनेक्शनों की गहराई से जांच की जाए जिससे नगर परिषद को छत पहुंचने वाले कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

आवंटन योग्य 7 प्लॉट औद्योगिक इकाई स्थापना के लिए उपलब्ध

उमरिया। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने बताया कि ग्राम बड़वार तहसील चंदिया जिला उमरिया में मध्यप्रदेश शासन सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा 4.850 हेक्टेयर भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की गई है। जिसमें सडक़ए नाली, पुलिया एवं विद्युत आदि आवश्यक अधोसंरचना उपलब्ध कराई गई है। औद्योगिक क्षेत्र में आवंटन योग्य कुल 32 प्लॉट उपलब्ध है तथा 01 प्लाट विद्युत ट्रांसफार्मर हेतु आरक्षित है। जिसमें 19 प्लॉट आवंटित किये जा चुके है तथा 6 प्लॉटों में आवंटन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। आवंटित 19 प्लाटों में से 6 प्लाटों पर 2 इकाईयाँ स्थापित हो कर कार्यरत हो चुकी है तथा 2 प्लॉटों पर एक इकाई स्थापनाधीन है। वर्तमान में आवंटन योग्य 7 प्लॉट औद्योगिक इकाई स्थापना हेतु उपलब्ध है। आवेदक विभागीय पोर्टल एमपीएमएसएमई के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है। पोर्टल 15 जुलाई को सायं 5 बजे तक खुला रहेगा। आवेदक शुल्क 5000 तथा प्रीमियम का 25 प्रतिशत राशि आवेदन के समय देय होगी। आवंटन प्रथम आओ प्रथम पाओं के आधार पर किया जायेगा। अन्य आवश्यक जानकारी एमपीएमएसएमई पोर्टल पर देखी जा सकती है अथवा महाप्रबंधकए जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र उमरिया से संपर्क कर सकते हैं।

जिले में बीते 24 घंटे में 22.2 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि जिले में बीते 24 घंटे में 22.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ मे 29.2 मिमी, मानपुर में 24.65 मिमी, पाली मे 21.6 मिमी, नौरोजाबाद में 20.4 मिमी, चंदिया में 2.4, करकेली में 24.8 मिमी, बिलासपुर में 32.6 मिमी वर्षा शामिल है । जिले में 1 जून से लेकर आज दिनांक तक 498.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ मे 465.4 मिमी, मानपुर में 459.7 मिमी, पाली मे 457.8 मिमी, नौरोजाबाद में 448.4 मिमी, चंदिया में 713.8, करकेली में 395.2 मिमी, बिलासपुर में 616.8 मिमी वर्षा शामिल है । जबकि गत वर्ष इसी अवधि तक 122.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी, जिसमें बांधवगढ मे 187.8 मिमी, मानपुर में 135.3 मिमी, पाली मे 121.8 मिमी, नौरोजाबाद में 135.3 मिमी, चंदिया में 95.8, करकेली में 112.7 मिमी, बिलासपुर में 77.4 मिमी वर्षा शामिल है ।

कंट्रोल रूम में मिल रही शिकायतों का निराकरण

कटनी। अतिवृष्टि के दौरान जल भराव की समस्या से निपटनें हेतु निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देशन में नगर निगम कार्यालय में बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की जाकर चार शिफ्ट में 15 कर्मचारियों की डियूटी लगाई जाकर संलग्न कर्मचारियों को मुस्तैदी से कार्य करनें के निर्देश दिए है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष अधिकारी एवं सहायक राजस्व निरीक्षक सागर नायक नें बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से अब तक नगर के रफी अहमद किदवई वार्ड, रामकृष्ण परमहंस वार्ड, विश्राम बाबा वार्ड, आचार्यविनोवा भावे वार्ड, सीएलपी वार्ड, जकिर हुसैन वार्ड से जलभराव संबंधी प्राप्त 8 शिकायतों को तत्काल ही स्थानीय अधिकारियों को प्रेषित करते हुए प्राप्त शिकायतों का तत्परता के साथ निराकरण कराया गया।

मजदूर विरोधी श्रम कानूनों के खिलाफ

आज कोयला श्रमिकों की आम हड़ताल

कोयला मजदूर पंचायत (एचएमएस) ने संभाला मोर्चा

कोयला क्षेत्रों में श्रमिक असंतोष एक बार फिर सतह पर आ गया है। 9 जुलाई को प्रस्तावित एक दिवसीय आम हड़ताल को लेकर कोयला मजदूर पंचायत (एचएमएस) सहित विभिन्न श्रमिक संगठनों ने पूरी ताकत झोंक दी है।

धनपुरी।

खासतौर पर एसईसीएल की खदानों में इस हड़ताल को सफल बनाने के लिए हिंद मजदूर सभा ने कमर कस ली है।कोयला मजदूर पंचायत द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह हड़ताल केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चार श्रम कोड के विरोध में बुलाई गई है, जिन्हें मजदूर विरोधी बताया जा रहा है। कोयला मजदूर पंचायत के केंद्रीय महामंत्री और हिंद मजदूर सभा के प्रांतीय सचिव श्री विनय सिंह ने सभी खदानों और क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे अपने-अपने इलाकों में सक्रिय भागीदारी के साथ हड़ताल को सफल बनाएं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस हड़ताल का मकसद न केवल मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करना है, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा लागू की जा रही ऐसी नीतियों का विरोध करना है जो श्रमिकों को असुरक्षा और शोषण की ओर धकेल रही हैं।विनय सिंह के नेतृत्व में संचालित चचंनडीह बकसाइट खदान में कार्यरत यूनियन, जनता मजदूर संघ, ओपीएम मजदूर मुक्ति मोर्चा (एचएमएस), मध्यप्रदेश खेत मजदूर सभा, मध्यप्रदेश निर्माण मजदूर सभा और मध्यप्रदेश बीड़ी पत्ता मजदूर सभा सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में डटे रहें और हड़ताल की सफलता सुनिश्चित करें।प्रेस विज्ञप्ति में यह भी आरोप लगाया गया है कि केंद्र सरकार ने पुराने सभी श्रम कानूनों को समाप्त कर चार नए श्रम कोड बनाए हैं, जो पूरी तरह मजदूर विरोधी हैं। अब 8 घंटे की जगह 12 घंटे तक काम करना अनिवार्य कर दिया गया है। प्रबंधन को यह छूट दी गई है कि वह जब चाहे श्रमिक को काम पर रखे या हटा दे। इतना ही नहीं, न्यूनतम वेतन तय करने के लिए पहले जिस 2750 कैलोरी की दैनिक खुराक का आधार था, उसकी जगह अब 2200 कैलोरी कर दी गई है।यूनियनों का कहना है कि सरकार कोयला उद्योग में 'कमर्शियल माइनिंग', 'एमडीओ मॉडल' और 'रेवेन्यू शेयरिंग' जैसी व्यवस्था लागू कर श्रमिकों की आजीविका और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। इससे न केवल रोजगार अस्थिर होगा बल्कि ठेका प्रथा और शोषण को भी बढ़ावा मिलेगा।हड़ताल के समर्थन में उतरे सभी संगठनों ने अपील की है कि मजदूर अपने सभी मतभेद भुलाकर एकजुट हों और श्रमिक हितों की रक्षा के लिए इस आंदोलन में भाग लें। 9 जुलाई को खदानों में काम पूरी तरह बंद रहेगा और मजदूर सड़क पर उतरकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

मजदूरों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में सोहागपुर क्षेत्र की खदानें आज रहेंगी बंद

धनपुरी। केंद्र सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ कोयलांचल क्षेत्रों में भी आक्रोश भड़कने लगा है। इसी क्रम में संयुक्त श्रमिक संगठनों ने 9 जुलाई को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। SECL के अंतर्गत आने वाले सोहागपुर क्षेत्र की सभी प्रमुख खदानों व कार्यालयों में कामकाज पूरी तरह ठप रहेगा। मजदूर संगठन हड़ताल को सफल बनाने के लिए सुबह से ही खदानों

के गेट पर शक्ति प्रदर्शन करेंगे।बंगवार, दामिनी, राजेन्द्र, खैरहा, अमलाई और रामपुर-बटुरा रहेंगे मुख्य केंद्रसूत्रों के अनुसार, हड़ताल का व्यापक असर बंगवार ओपन कास्ट माइंस, दामिनी माइंस, राजेन्द्र भूमिगत माइंस, खैरहा भूमिगत माइंस, अमलाई ओसीएम और रामपुर-बटुरा ओपन कास्ट खदानों में देखने को मिलेगा। इन खदानों में सुबह से ही श्रमिक संगठन अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए किसी भी प्रकार का खनन कार्य नहीं होने देंगे।चार प्रमुख संगठनों की एकता में शक्तिइस हड़ताल का नेतृत्व एटक, सीटू, इंटक और एचएमएस जैसे चार प्रमुख श्रमिक संगठन संयुक्त रूप से कर रहे हैं। इन संगठनों का कहना है कि सरकार ने मजदूरों के अधिकारों को खत्म करने के लिए 44 श्रम कानूनों को समाप्त कर चार श्रम संहिताएं लागू की हैं, जो पूरी तरह मजदूर विरोधी हैं।शांति पूर्ण लेकिन निर्णायक विरोधसंगठनों ने स्पष्ट किया है कि यह आंदोलन पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहेगा, लेकिन सरकार को यह संदेश भी देगा कि यदि मजदूरों के हितों की अनदेखी की गई, तो वे चुप नहीं बैठेंगे। खदानों, कार्यालयों और प्रशासनिक इकाइयों में पूर्ण बंदी रहेगी।मजदूरों से हड़ताल को ऐतिहासिक बनाने की अपीलसभी श्रमिक संगठनों ने अपने सदस्यों और क्षेत्र के मजदूरों से अपील की है कि वे 9 जुलाई को इस हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लें और इसे ऐतिहासिक बनाएं, ताकि सरकार तक मजदूरों की आवाज मजबूती से पहुंचे।

स्थापना दिवस पर किया पौध रोपण

ब्यौहारी

जनपद पंचायत ब्यौहारी- के अंतर्गत जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत देवरी जनपद पंचायत ब्यौहारी के पंचायत भवन के प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम का वृक्षारोपण किया गया। इसमें ग्राम पंचायत के सरपंच श्री नाथू लाल सिंह, सचिव श्रीमती संतोष सिंह, रोजगार सहायक वंश गोपाल सिंह , जन अभियान परिषद के मेंटर रामेश्वर पाल, हीरालाल साहू, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम की छात्र राजकुमारी सिंह समाजसेवी राम जी बरमैया, एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता , एवं ग्रामीण की सहभागिता रही। इसी तरह ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति समिति पपरेडीके अध्यक्ष मंगल सिंह के साथमें एक पेड़ मां के नाम पेड़ रोपित किया गया ।

जलभराव की समस्या के निराकरण करने किए प्रयास

कटनी। गत दिवस हुई अतिवृष्टि के दौरान नाले एवं नालियों के चोक होने के दौरान जलभराव की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए निगम के स्वच्छता दूतों द्वारा सोमवार प्रातः से वार्डों का निरीक्षण कर नाले नालियों के चोक स्थलों की सफाई सहित नगर की विभिन्न निचली बस्तियों में जल निकासी के प्रयास किये गए। स्वच्छता दूतों द्वारा वार्ड क्रमांक 18 पवनपुरी में पाइप के ढोल की सफाई कराकर जल निकासी कराई गई। वहीं वार्ड क्रमांक 35 में जे.सी.बी मशीन के माध्यम से नाली में फसे कचरे की सफाई का कार्य कराया गया। जगन्नाथ स्वामी मंदिर में आयोजित होनें वाले भंडारे को देखते हुए मंदिर परिसर सहित आस पास एवं

आईटी 2.0 एप्लिकेशन का रोलआउट- डिजिटल ट्रांसफार्मेशन की दिशा में एक कदम

शहडोल। संभाग डाकघर अधीक्षक ने बताया कि विभाग द्वारा अगली पीढ़ी की एपीटी एप्लिकेशन की शुरुआत की जा रही है, जो हमारी डिजिटल उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परिवर्तनकारी पहल के तहत उन्नत प्रणाली को संभाग के शहडोल, उमरिया, अनुपपुर के सभी डाकघरों में 22 जुलाई से लागू किया जाएगा। इस उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म के निर्बाध और सुरक्षित संचालन को बनाए रखने के लिए 21 जुलाई को नियोजित अवकाश डाउनटाइम निर्धारित किया गया है। 21 जुलाई को डाकघरों में कोई सार्वजनिक लेन-देन नहीं किया जाएगा। यह अस्थायी सेवा निलंबन डेटा माइग्रेशन सिस्टम सत्यापन और कॉन्फिगरेशन प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए आवश्यक है, ताकि नई प्रणाली को सुचारू और प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। एपीटी एप्लिकेशन को उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर करने, त्वरित सेवा प्रदान करने और अधिक ग्राहक हितैषी इंटरफेस प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो स्मार्ट कुशल और भविष्य के लिए तैयार डाक संचालन प्रदान करने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने ग्राहकों से अपील की है कि असुविधा से बचने के लिए अपने डाकघर संबंधी कार्य पूर्व में ही निपटा लें और इस अल्पकालिक व्यवधान के दौरान हमारा सहयोग करें। इस संबंध में हुई किसी भी असुविधा के लिए हमें खेद है और हम आपको आश्वस्त करते हैं कि सभी नागरिकों को बेहतरए त्वरित और अधिक डिजिटल रूप से सशक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए ये कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में आयोजित हुआ नगरीय निकाय का जिला सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मप्र नगर निगम, नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह सोलंकी के मुख्य आतिथ्य एवं कपिल दुबे संभागीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में एवं मुकेश रजक जिला सचिव एवं इकाई सचिव रमेश मिश्रा नगर निगम जबलपुर, संजय समुद्रे मुख्य नगरपालिका अधिकारी बरोदिया कला सागर की उपस्थिति में शनिवार 5 जुलाई को जिला स्तरीय नगरीय निकाय का सम्मेलन नगर निगम कटनी के मेयर इन काउंसिल सभाकक्ष में संपन्न हुआ।

सम्मेलन के दौरान प्रदेश संगठन सचिव गणेश प्रसाद बिचपुरिया के सेवानिवृत्ति उपरांत प्रदेश अध्यक्ष एवं संभागीय अध्यक्ष द्वारा मोमेंटम एवं शाल श्रीफल भेंट कर श्री बिचपुरिया का स्वागत किया गया। तदोपरांत कर्मचारियों की समस्याओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। नगरीय निकाय के आयोजित जिला सम्मेलन में जिला शाखा का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से पारसनाथ प्रजापति को जिलाध्यक्ष, कार्यवाहक अध्यक्ष गिरीराज पाठक, उपाध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह चैहान, ऋषि राज दुबे, महेन्द्र उपाध्याय, गोवर्धन उपाध्याय, जिला महामंत्री अशोक कुमार गर्ग, रामकिंकर तिवारी, सूरज विश्वकर्मा, जिला सचिव लव कुश तिवारी, बिहारी लाल यादव, तीरथ चतुर्वेदी, जिला उपसचिव अमित सोनी, ब्रजेश मिश्रा, ब्रजेश सोनी, जिला संगठन सचिव विनोद सिंह चैहान, के साथ कार्यकारिणी गठित की गई।

हिंसा से पीड़ित बालिकाओ को दिलाए अस्थायी आश्रय-सदस्य बाल संरक्षण आयोग

जिला स्तरीय वन स्टॉप सेंटर की समीक्षा बैठक संपन्न

शहडोल।

वन स्टॉप सेंटर की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सदस्य महिला बाल संरक्षण आयोग श्रीमती मेघा पवार एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में सदस्य महिला बाल संरक्षण आयोग ने वन स्टॉप सेंटर में उपस्थित बच्चों को प्रदाय की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हिंसा से पीड़ित महिला के बच्चों (बालक 8 की आयु तक एवं समस्त आयु वर्ग की बालिकाएं) को अस्थायी आश्रय देना सुनिश्चित करें। वन स्टॉप सेंटर में महिला को अस्थायी आश्रय, भोजन, चिकित्सा, परामर्श इत्यादि की सुविधा प्रदान की जाए तथा 24 घंटे सेंटर में पीड़ित को प्रवेश देना सुनिश्चित करें।

बैठक में सदस्य बाल संरक्षण आयोग श्रीमती मेघा पवार ने वन स्टॉप सेंटर में प्रदाय की जा रही सेवाओं, चिकित्सकीय सहायता, महिला को एफआईआर, एनसीआर डीआईआर दर्ज करने में सहायता, मनो सामाजिक सहयोग, विधिक सहायता, आश्रय व्यवसायिक प्रशिक्षण सहित अन्य कार्यों के संबंध में जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग श्री अखिलेश मिश्रा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, अधीक्षक बालिका संप्रेक्षण ग्रह श्रीमती संजीता भगत, अध्यक्ष सीडब्ल्यूसी श्रीमती कल्याणी बाजपेई, सीडब्ल्यूसी सदस्य श्री अभिषेक चौकसे, पूर्णिमा चौधरी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थें।

बच्चों से लेकर वृद्धजन तक सभी आ रहे सर्दी, खांसी, बुखार की चपेट में

मौसमी बीमारियों का बढ़ा प्रकोप, अस्पताल में मरीजों की लगी लंबी कतारें

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

बारिश का मौसम यूं तो सुहावना होता है लेकिन यह मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियों की सौगात भी लेकर आता है। मक्खी, मच्छरों सहित तरह तरह के कीड़े मकोड़ों के अलावा जहरीले जीव जंतु लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। दूषित खानपान एवं बारिश में भीगने एवं मौसम में बदलाव की वजह से हर उम्र के लोग मौसमी बीमारियों की चपेट में आते हैं। कुछ दिनों से मानसून सक्रिय हो गया है जिससे मौसम के उतार चढ़ाव के चलते बीमारियां भी बढ़ने लगी है। निजी व सरकारी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। आम दिनों के मुकाबले स्लीमनाबाद अस्पताल की ओपीडी 100 तक पहुंचने लगी है। लगातार सप्ताह भर से ओपीडी 100 पार पहुंच रही है। इनमें से करीब 20 प्रतिशत मरीज उल्टी-दस्त की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। इनमें कुछ मरीजों की हालत गंभीर होने के कारण अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है। उल्टी-दस्त की चपेट में आने वालों में ज्यादातर बच्चे हैं। इन दिनों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी वार्ड फुल है। स्लीमनाबाद स्वास्थ्य केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक आम दिनों में अस्पताल की ओपीडी करीब 50 से 40 तक पहुंचती है लेकिन वर्तमान मैं 100से 110 के आसपास ओपीडी पहुंच रही है। स्लीमनाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ शिवम दुबे ने बतलाया कि मौसम में आ रहे बदलाव की वजह से बच्चे वायरल फीवर के साथ ही खांसी, जुकाम व उल्टी, दस्त जैसी बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। दिन में धूप होने से गर्मी और सुबह-शाम मौसम के मिजाज में नरमी का रुख होना लोगों की परेशानी का कारण बना हुआ है। बच्चों में इन दिनों सर्दी-खांसी के साथ बुखार तेजी से फेल रहा है। यह वायरल एक-दूसरे के संपर्क में आने की वजह से हो रहा है। परिवार में एक सदस्य को होने पर पूरे परिवार के सदस्य भी वायरल की चपेट आ रहे हैं। इन दिनों वायरल के लक्षण सर्दी, खांसी और बुखार है। साथ ही बच्चों को उल्टी-दस्त भी हो रहे हैं। एक-दूसरे संपर्क में आने से जल्दी इंफेक्शन का खतरा बढ़ रहा है। कई परिवार के पूरे सदस्यों को इंफेक्शन हुआ है।

खबर संक्षेप

अमरकंटक में राष्ट्र संत चिन्मयानंद बापू की सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के पावन अवसर पर विश्व कल्याण मिशन ट्रस्ट शाखा बिलासपुर के तत्वावधान में राष्ट्र संत परम पूज्य चिन्मयानंद बापू जी महाराज द्वारा सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। यह आयोजन नगर परिषद कार्यालय के समीप स्थित मेला मैदान में विशाल पंडाल में किया जा रहा है। कथा का विधिवत शुभारंभ आज शाम 4 बजे पूज्य बापू जी के सान्निध्य में मंत्रोच्चार, वेदपाठ और धार्मिक विधियों के साथ हुआ। इससे पूर्व एक भव्य कलश यात्रा एवं शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य, ढोल-ताशे और भजन-कीर्तन के साथ निकाली गई। नर्मदा मंदिर से प्रारंभ हुई यात्रा में 108 कलश लेकर सजीधजी महिलाएं सिर पर कलश धारण कर श्रद्धा एवं उल्लास से चल रही थीं। यह शोभायात्रा नर्मदा उद्गम कुंड पहुंची, जहां नर्मदा मंदिर के पुजारी उमेश द्विवेदी 'बंटी महाराज' द्वारा मंत्रोच्चार के साथ कलश पूजन कराया गया। कथा में सम्मिलित होने के लिए मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली सहित अनेक राज्यों से श्रद्धालु, भक्तजन एवं शिष्यगण बड़ी संख्या में अमरकंटक पहुंचे हैं। कथा स्थल पर भक्तों के लिए बैठने, दर्शन एवं सत्संग हेतु उत्तम व्यवस्थाएं की गई हैं। कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 4 बजे से प्रारंभ होकर रात्रि तक चलेगा। आयोजकों ने अधिकाधिक श्रद्धालुओं से भाग लेने की अपील की है।

अनूपपुर जंक्शन स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी का किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जंक्शन स्टेशन अनूपपुर के अधिकारी विश्राम गृह के प्रांगण में वरिष्ठ संरक्षा अधिकारी बिलासपुर साकेत रंजन के निर्देशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे संरक्षा सलाहकार बिलासपुर एस.के.शर्मा, घनश्याम विश्कर्मा,चितरंजन कुमार,निर्मय जैन,घनश्याम राज, ओ.पी.पाण्डेय, राकेश कुमार संरक्षा सलाहकार शहडोल, मुख्य स्टेशन प्रबंधक अनूपपुर एम.पी.शर्मा, **SSE/C&W**/अनूपपुर वि.के.सैनी तथा रेलवे के विभिन्न विभागों के लगभग 105 स्टॉफ ने इस संरक्षा संगोष्ठी में भाग लिए। इस संगोष्ठी में रेल कर्मचारियों अपनी ड्यूटी के दौरान संरक्षा के प्रति सजग रहने,दुर्घटना के समय रेल कर्मचारी की ड्यूटी (चाहे वे ड्यूटी मे हो या रेल से यात्रा कर रहे हो)इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मानसून कालीन पेट्रोलिंग के दौरान रेलवे ट्रैक पर पानी आ जाने,रेलवे ट्रैक धंस जाने पर पेट्रोलमैन की ड्यूटी तथा परिचालन विभाग के द्वारा शटिंग के दौरान रखी जाने वाली सावधानिया तथा **BPAC** फेल हो जाने पर दोनों तरफ के स्टेशन मास्टर को सतर्कता पूर्वक ड्यूटी करने के बारे मे विस्तृत रूप से बतलाया गया।एवं फ्लैट टायर,हॉट एक्सल की सूचना मिलने पर स्टेशन मास्टर के कर्त्तव्य के बारे मे बतलाया गया।

स्टेशनों सहित ट्रेनों की सुविधाएं बढ़ाने की मांग

जिला विकास मंच ने रेलवे जीएम के नाम स्टेशन मास्टर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला विकास मंच के संयोजक वासुदेव चटर्जी एडवोकेट ने एक प्रतिनिधिमंडल के साथ स्टेशन मास्टर अनूपपुर को रेलवे महाप्रबंधक (जीएम) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के नाम सुविधा विस्तार को लेकर एक ज्ञापन सौपा। जिसमें प्रमुख रूप से मांग की गई की ट्रेन नंबर 11201/11202 नागपुर-शहडोल-नागपुर का विस्तार अम्बिकापुर या अनूपपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन तक किया जाए एवं ट्रेन नंबर 22169/22170 रानी कमलापति- संतरागाछी-रानी कमलापति हमसफर एक्सप्रेस का अनूपपुर जंक्शन स्टेशन में ठहराव किया जाए।

शहडोल-नागपुर ट्रेन के विस्तार की मांग

उन्होंने ज्ञापन में लेख किया है कि विगत 25 वर्षों के मांग के अनुरूप रेल प्रशासन द्वारा नागपुर-शहडोल के मध्य ट्रेन चलाये जाने का निर्णय लिया गया है, यह स्वागत योग्य कदम है। दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे अंतर्गत सी.आई.सी. सेक्शन का यह अंचल आदिवासी बाहुल्य पिछड़ा क्षेत्र है, द्रुतगामी ट्रेन सुविधाओं का अभाव है, साथ ही इस अंचल में मल्टी सुपर स्पलेशलिटी चिकित्सा सुविधाओं का भी अभाव है अंचल के नागरिको को उच्च स्तर की चिकित्सा हेतु नागपुर जाना पड़ता है, अंचल से कोई सीधी ट्रेन सुविधा नही होने से यहाँ के नागरिको को बिलासपुर या कटनी, जबलपुर होकर ट्रेन बदल कर नागपुर तक की यात्रा करनी पड़ती है, बार-बार ट्रेन बदलने से नागरिको को यात्रा में असुविधाओं का सामना करना पड़ता है, इस आदिवासी अंचल के नागरिको को बेहतर यात्री सुविधा प्रदान किये जाने के तहत शहडोल से नागपुर तक चलने वाले साप्ताहिक ट्रेन का विस्तार अनूपपुर या अम्बिकापुर तक करने से सम्पूर्ण शहडोल संसदीय क्षेत्र सहित सरगुजा संभाग के दोनो संसदीय क्षेत्र सरगुजा एवं कोरबा संसदीय क्षेत्र के नागरिको को भी यात्री सुविधा का लाभ मिल सकेगा। इस संबंध में आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहते है लोकहित को ध्यान में रखकर ट्रेन नंबर 11201-11202 नागपुर-शहडोल-नागपुर का विस्तार अम्बिकापुर, अनूपपुर तक करना आवश्यक है। वही ट्रेन नंबर 22169/22170 रानी कमलापति- संतरागाछी-रानी कमलापति हमसफर एक्सप्रेस का अनूपपुर जंक्शन स्टेशन में ठहराव के साथ एवं तीन साधारण शयनयान बोगी उपलब्ध कराई जाए।

अमृत भारत योजना के तहत उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य की मांग

अम्बिकापुर में पूर्व से स्वीकृत वाशिंग प्लान्ट का निर्माण कार्य अविलम्ब पारंभ कराया जाय। अम्बिकापुर से दुर्ग के मध्य पूर्व के समय से प्रस्तावित इन्टरसिटी एक्सप्रेस को अविलम्ब प्रारंभ कराया जाये। अम्बिकापुर से नागपुर के मध्य एक द्रुतगामी एक्सप्रेस ट्रेन नियमित रूप से चलायी जावे, वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अम्बिकापुर से दुर्ग के मध्य चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का एक अतिरिक्त रैक की व्यवस्था कर विस्तार नागपुर, इतवारी तक किया जाये। गोंदिया-बरौनी का विस्तार नागपुर, इतवारी तक किया जाय। अम्बिकापुर से जबलपुर के मध्य चल रही इन्टर सिटी एक्सप्रेस का विस्तार वाया गोंदिया होकर नागपुर तक के लिए किया जाये। नागपुर से शहडोल के मध्य चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का विस्तार एक अतिरिक्त रैक की व्यवस्था के साथ अम्बिकापुर तक किया जाये। अम्बिकापुर से निजामुद्दीन के मध्य चल रही साप्ताहिक सुपर फास्ट एक्सप्रेस को नियमित रूप से चलाया जाये। प्रस्तावित अम्बिकापुर बरवाडीह, अम्बिकापुर-रेणुकोट रेल लाईन का निर्माण कार्य बजट की स्वीकृति प्रदान करते हुए अविलम्ब प्रारंभ कराया जाये। अनूपपुर में अमृत भारत योजना एवं गतिमान योजना के तहत रेल्वे स्टेशन के नवीनीकरण के कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा के अन्दर एवं प्लेटफार्म क्रमांक 01 से 03- 04 को जोडने वाली नये प्रस्तावित एफ.ओ.बी.(लिफ्ट एवं रेम सहित) अविलम्ब निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाये, साथ ही निर्माणाधीन बी.के-61 रोड ओव्हरब्रिज का निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के अनुरूप आवश्यकतानुसार समय सीमा में शीघ्र पूर्ण कराया जाये, साथ ही अनूपपुर रेल्वे स्टेशन परिसर के बाहर सर्व सुविधायुक्त (पे एन यूज) सुलभ काम्पलेक्स का निर्माण यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक रूप से किया जाये एवं जन औषधि की दुकान स्टेशन परिसर के अन्दर स्थापित किया जाये एवं अनूपपुर के प्लेटफार्म क्रमांक -03 एवं 04 की ऊँचाई बढ़ायी जावे और प्लेटफार्म क्रमांक 03-04 के दोनो दिशाओं में प्रसाधन की व्यवस्था किया जाये। अनूपपुर जी.आर.पी.चौकी को थाने का दर्जा एवं प्रस्तावित अनूपपुर में शीघ्र अतिशीघ्र रेल्वे मजिस्ट्रेट की पदस्थापना किया जाये, साथ ही प्रस्तावित वंदे भारत ट्रेन को बिलासपुर से निजामुद्दीन के मध्य अविलम्ब प्रारंभ कराया जावे।

कोरोना काल से गाड़ियों के बंद ठहराव को पुनः किया जाये चालू

प्रस्तावित बिलासपुर-मुम्बई अमृत भारत ट्रेन को बया बिलासपुर-अनूपपुर, कटनी, जबलपुर होकर मुम्बई के बीच चलाया जाये। अनूपपुर में प्लेटफार्म क्रमांक-05 का निर्माण अविलम्ब प्रारंभ करते हुए रेल्वे स्टेशन का नया इन्ट्री गेट एवं रेल्वे का टिकट काउन्टर शीघ्र बनवाया जाये। अनूपपुर रेल्वे स्टेशन में क्लॉक रूम की व्यवस्था अविलम्ब कराया जाये। अनूपपुर से अमलाई रेल्वे स्टेशन की दूरी 14 किलो मीटर है, अनूपपुर से अमलाई के मध्य मेड़ियारास में नया रेल्वे स्टेशन बनाये जाने का पूर्व में सर्वेक्षण हुआ था, उस अनुरूप मेड़ियारास में नया रेल्वे स्टेशन बनाया जाये। प्रस्तावित मेड़ियारास रेल्वे स्टेशन से बकान नदी लगा हुआ है, नदी से पानी की व्यवस्था कर प्रस्तावित स्टेशन में वाशिंग पिट का निर्माण किया जाये, क्योंकि अनूपपुर जंक्शन से कटनी, बिलासपुर, अम्बिकापुर, चिरमिरी के मध्य में स्थित है, वाशिग पिट के निर्माण से विभिन्न दिशाओं में लोकल गाडियों का संचालन किया जा सकता है, जिससे यात्रियों को यात्रा में सुविधा प्राप्त होगी, साथ ही रामपुर-बट्टरा कोयला खदान का साइडिंग जो अमलाई स्टेशन में प्रस्तावित है, को प्रस्तावित स्टेशन मेडियारास में बनाया जाये। मेडियारास प्रस्तावित स्टेशन से तकरीबन 20 गांव लगे हुए है, जिससे गांव के लोगों को आवागमन में सुविधा उपलब्ध होगी। बिरसिहपुर पाली, नौरोजाबाद विरारानी देवी, उचेहरा माता की प्रसिद्ध च विख्यात मंदिर है चैत्र व क्वार माह के रामनवमी के अवसर पर बड़े आयोजन होते है, जिस तरह मेहर डोंगरगढ़ में अस्थायी रूप से गाडियों का ठहराव होता है, उसी तरह बिरसिहपुर व नौरोजाबाद में अंचल से गुजरने वाली सभी एक्सप्रेस गाडियों का ठहराव किया जाये। अंचल से गुजरने वाली सभी गाड़ियों का ठहराव जो कोरोना काल के समय बंद किया गया था, उसे यात्रियों के हित में अविलम्ब प्रारंभ कराया जाये। अनूपपुर रेल्वे स्टेशन के बाहर एवं स्टेशन परिसर के अन्दर सभी फुट ओव्हरब्रिज में ट्रेनों के आवागमन की जानकारी का ग्लो साइन बोर्ड लगाया जाये। बिलासपुर से चेन्नई, बिलासपुर से पटना, बिलासपुर से पुणे, बिलासपुर से एरनाकुलम साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनो का विस्तार अम्बिकापुर, कटनी तक किया जाये। उपरोक्त सुविधाएँ अंचल के रेल सुविधाओं के विकास में एक आवश्यक कदम है, इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर अंचल को नई सौगातो से उपकृत करने की कृपा करें।

अहिरगवां से घुनघुटी रेंज के पडरी पहुंचे चार हाथी

रात में ग्रामीणों के मकान में तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। चार हाथियों का समूह 7 दिनों तक डिंडोरी जिले में विचरण करने बाद मंगलवार की सुबह फिर से अनूपपुर जिले के अहिरगवां रेंज अंतर्गत डोंगरिया एवं टिटही जैतहरी बीट के जंगल में पहुंचकर विश्राम करते देर रात तीन गांव ग्रामीणो के घरों में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रखें अनाजों को खाते हुए बुधवार की सुबह अहिरगवां रेंज की सीमा से लगे उमरिया जिले के वन परिक्षेत्र घुनघुटी अंतर्गत पड़री बीट के जंगल में पहुंचे हैं। चार हाथियों का समूह 14 जून को अनूपपुर जिले छत्तीसगढ़ राज्य से प्रवेश करते हुए जैतहरी, अनूपपुर एवं राजेन्दगाम/ पुष्पराजगढ़ तहसील के जंगलों में पहुंचकर दिन के समय ठहरने बाद देर शाम एवं रात होने पर ग्रामीणो के घरों में तोड़फोड़ कर घर के अंदर विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बनाते हुए 2 जुलाई की सुबह डिंडोरी जिले के क्षेत्र में प्रवेश का विचरण कर रहे थे जो 7 जुलाई की सुबह एक बार फिर अनूपपुर जिले के अहिरगवां रेंज अंतर्गत डोंगरिया एवं टिटही जैतहरी बीट के जंगल में पहुंचकर दिनभर विश्राम करने बाद मंगलवार की देर रात को कुम्हनी गांव में सेमलाल पिता दलपत, एकम सिंह, सुनीता सिंह, सुखसेन सिंह ग्राम शीतलपानी निवासी कोदुआ, भगत, हीराबाई, मुन्नी बाई, दान सिंह, राममनोहर एवं गाम टिटही जैतहरी में रहने वाले उदय सिंह, नर्मदा सिंह, दलबीर सिंह के घरों में तोडफोड़ कर घर के अंदर रखे विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बनाया अचानक हाथी के ग्रामीण अंचलों में आ जाने से ग्रामीणों में दहशत की स्थिति बनी रही वहीं ग्रामीण घरों को छोड़ अपने परिवार के सदस्यों की जान बचाने हेतु दूसरे के घरों में शरण लेते हुए जाग जाग कर रात बिताई। इस बीच वनविभाग का हाथी गस्ती दल हाथियों के विचरण पर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को सतर्क एवं सचेत किया,अनूपपुर कलेक्टर के निर्देश पर पूर्व की तरह देर रात हुए नुकसान पर राजस्व विभाग की टीम के द्वारा स्थल पर पहुंचकर हाथियों के द्वारा किए गए नुकसान का सर्वेक्षण कर मुआवजा का प्रकरण तैयार किया। इस दौरान हाथी शीतलपानी, टिटही जैतहरी, कुम्हनी से ठुनगुनी, धुराधर से नीचे पहाड़ उतर कर हथपुरा की ओर जाकर उमरिया जिले के घुनघुटी वन परिक्षेत्र के पड़री बीट के जंगल में बुधवार की सुबह पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं।

मूसलाधार बारिश में पसान की सकुन बाई का उजड़ा आशियाना

चार लाख से अधिक का नुकसान, शासन-प्रशासन से मदद की गुहार

हरिभूमि न्यूजबदरा/जमुना। बीते दिनों की मूसलाधार बारिश ने नगर पालिका पसान क्षेत्र में कहर बरपा दिया है सबसे हृदयविदारक दृश्य सामने आया वार्ड क्रमांक 8 में, जहाँ 70 वर्षीय सकुन बाई पति स्वर्गीय श्री सत्यप्रकाश मिश्रा का कच्चा मकान पूरी तरह जमींदोज हो गया इस हादसे में करीब चार लाख रुपये की क्षति हुई है और वृद्धा अब खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

कुदरत के बाद अब प्रशासन की मार

प्राकृतिक आपदा के बाद भी सकुन बाई को कोई सरकारी सहायता नहीं मिली है न तो राजस्व अमला मौके पर पहुँचा, न ही जनप्रतिनिधियों ने सुध ली एक असहाय वृद्ध महिला बेसहारा हो चुकी है लेकिन शासन-प्रशासन की चुप्पी कहीं अधिक पीड़ादायक साबित हो रही है। हादसे को कई दिन बीत गए, पर स्थानीय प्रशासन ने अब तक स्थिति का जायजा लेने की भी जरूरत नहीं समझी न तहसील कार्यालय से कोई टीम पहुँची, न ही नगर पालिका का कोई कर्मचारी राहत लेकर आया यह घटना न केवल

सरकारी लापरवाही की पोल खोलती है, बल्कि उस तंत्र की संवेदनहीनता को उजागर करती है।

जनप्रतिनिधियों पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया है कि जब आपदा के समय प्रशासनिक अमला और जनप्रतिनिधि नजर नहीं आते, तो उनके पद और योजनाएं आखिर किस काम की हैं? क्या शासन की योजनाएं सिर्फ कागजों में हैं, और क्या बुजुर्गों का जीवन अब आंकड़ों से भी सस्ता हो गया है? हर साल पसान में बारिश तबाही लाती है, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया अधिकारी सिर्फ आकस्मिक बैठकों और सर्वे की खानापूर्ति कर रहे हैं जबकि जमीनी हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

बिजली कटौती से लोग परेशान, बढ़ रहा आक्रोश

हरिभूमि न्यूज बिजुरी। बिजली कटौती से बिजुरी नगर वासी काफी परेशान हैं। अघोषित बिजली कटौती के कारण लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि पेयजल की आपूर्ति में बाधा, व्यापारियों को नुकसान और छात्रों की पढ़ाई में परेशानी होती है। अघोषित बिजली कटौती के कारण पेयजल की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। बिजली कटौती के कारण व्यापारियों को भी नुकसान हो रहा है, खासकर आटा चक्की और इलेक्ट्रॉनिक दुकानदारों को, जैसा कि नगर वासियो ने बताया है। बिजली कटौती के कारण छात्रों को रात में पढ़ाई करने में परेशानी हो रही है। बिजली कटौती से गृहणियों के घरेलू कामकाज भी प्रभावित हो रहे हैं।

चचाई स्थित सोन नदी नहाने गए 10 वर्षीय बादल वासुदेव की डूबने से मौत

हरिभूमि न्यूज, चचाई। विद्युत नगरी चचाई स्थित पुराने सोन नदी रेत बांध के पास नहाने गए 8 से 10 वर्ष के पांच दोस्तों में से एक बादल वासुदेव के बहकर किनारे गहरे पानी और खज्जी में फंसने से मौत हो गई। बादल वासुदेव के डूबने पर दो बच्चे भाग गए जबकि दो दोस्तों ने घर पर जानकारी दी मृतक बादल वासुदेव मौहर टोला वार्ड नंबर 6 निवासी पिता राजाराम वासुदेव व मां लक्ष्मी वासुदेव का एकलौता पुत्र था। जानकारी लगते ही परिवार वालों के साथ चचाई थाना प्रभारी अपने स्टाफ के साथ घटनास्थल पहुंचे घटनास्थल पर मौजूद दो बच्चों से पूरे घटना की जानकारी ले ढूंढने का प्रयास शुरू कर एसडीआरएफ की टीम के साथ स्थानीय मछुआरे व बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं के साथ मौके पर अनूपपुर एसडीओपी भी पहुंच कर डूबे बच्चे की तलाश शुरू की स्थानीय मछुआरे व एसडीआरएफ की टीम बच्चों के बताएं अनुसार घटनास्थल के पास करीब 20 मिनट तक खोजबीन करते रहे नदी में बाढ़ न होने से ढूंढने में मदद मिलती रही अंततः मछुआरे छोटे ने अनुमान लगा घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर बच्चे को ढूंढ कर बाहर निकाल लाया। घटनास्थल पर मौजूद साथी दो बच्चों ने बताया कि हम लोग मौहार टोला से नदी नहाने आ गए हम पांचो दोस्त नदी में नहाते हुए खेल रहे थे तभी बादल वासुदेव गहरे पानी की तरफ बहने लगा लेकिन वह गहरे पानी में चला गया घटना के बाद हमारे दो दोस्त भाग गए जबकि हम दोनो ने घटना की पूरी जानकारी दी बच्चों की जानकारी के कारण ही समय पर डूबे हुए बच्चे का शव ढूंढने में मदद मिली पुलिस ने पीएम हेतु शव को अनूपपुर भेज दिया।

चार श्रम संघ एकजुट होकर कल्याण समिति के बैठक का किये बहिष्कार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। एसईसीएल के हसदेव क्षेत्र में मजदूरों के सामाजिक सुरक्षा के दृष्टगत कल्याण संबधित सिविल एवं इलेक्ट्रिकल कार्य संविदा के तहत कराये जाते है, लेकिन प्रबन्धन के कार्यशैली ऐसी है कि हसदेव क्षेत्र में काम कर रहे क्षेत्रीय कल्याण समिति को समझ में नही आ रहा है कि प्रबन्धन मजदूरों के शुभेच्छू है या फिर ठेकेदार के कल्याण लिये प्रतिबद्ध है। हसदेव क्षेत्र प्रबंधन श्रमिक कल्याण मूलक विषयों पर ठेकेदार और प्रबंधन गुपचुप तरीके से पिछले एक वर्ष से कार्य को अंजाम दे रहे हैं। जिससे क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्यों ने प्रबंधन के इस रवैया से क्षुब्ध होकर क्षेत्रीय महाप्रबंधक को अपना आपत्ति दर्ज कराते हुए क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा आयोजित बैठक को बहिष्कार करने का निर्णय लिया है ।

स्थानंतरण आदेश के 20 दिन बाद भी कार्य मुक्त नहीं हुये राजाबाबू सिंह

हरिभूमि न्यूज राजेन्द्रग्राम। प्राथमिक शाला राजेन्द्रग्राम में नियम विरुद्ध तरीके से विगत 10 वर्षो से प्रधानाध्यापक का प्रभार लेकर कार्य कर रहे राजाबाबू सिंह जस नाम तस गुण राजसी अंदाज में नौकरी कर रहे राजाबाबू का मूल पदस्थापना ब्याख्याता पद पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखौरा में है इसके बाबजूद उन्होंने तत्यकालिक प्राचार्य से सांठगांठ कर नियम विरुद्ध तरीके से प्राथमिक विद्यालय राजेन्द्रग्राम बतौर प्रधानाध्यापक का आदेश कराकर कार्य कर रहे है और उनकी उपस्थिति एवं वेतन आज भी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य लखौरा दे रहे है। जो शासन के नियमो का खुला उल्लंघन है जबकि 16.06.2025 को राजाबाबू सिंह का स्थानांतरण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजनगर किया जा चुका है स्थानंतरण आदेश के 20 दिन बीत जाने के बाबजूद कार्यमुक्त नही किया गया जो अपने आप मे सवाल खड़ा कर रहा है आखिर क्यों मेहरबान है अधिकारी और किसके दबाव में अभी तक उक्त आदेश को गोपनीय तरीके से दबा कर रखा जा रहा है।

आय व्यय का नहीं कोई ब्यौरा

राजाबाबू सिंह प्रधानाध्यापक की कुर्सी हथियाने के लिए ना जाने कितनी जद्दोजहद की और विगत 10 वर्षों शाला विकास मद से निर्मित लगभग 10 दुकानों का किराया वसूल कर दुकान मरम्मत रंगाई पोताई के औने पौने खर्च का बिल बाउचर का खाका तैयार कर उक्त राशि को हजम कर रहे है जिसको लेकर कई बार स्थानीय पालको ने आय ब्यय का ब्यौरा मांगा तो गोलमोल जबाब देकर टाल दिया जाता है।

स्थानांतरण के बाद भी नहीं छूट रहा मोह?

राजाबाबू सिंह का स्थानांतरण पूर्व मे भी हो चुका था परंतु इन्होंने एनसीसी प्रभारी का हवाला देते हुये उच्चाधिकारियों सहित नेताओ की शरण मे चरण बंदन कर उक्त आदेश को संशोधित करवा लेते है अब देखना यह होगा इस वर्ष हुये स्थानंतरण आदेश जो शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखौरा से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजनगर कर दिया गया है। उक्त आदेश का बखूबी पालन

करते है या पूर्व की भांति इस बार भी स्थानंतरण आदेश कैंसिल करा पाने में सफल होते है हलाकि अभी 20 दिन बीत जाने के बाद भी इन्होंने राजनगर ज्वाइन तो नही किया बल्कि सम्बधित विद्यालय से एक पत्र लिखवा कर ले आये की उक्त विद्यालय में प्रधानाध्यापक का कोई पद ही खाली नही है।

कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त का आदेश बेअसर

16.06.2025 एतद् द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल के परिपत्र द्वारा जारी स्थानांतरण नीति अनुसार राजाबाबू सिंह को माध्यमिक शाला राजेन्द्रग्राम से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजनगर प्रशासनिक आधार पर स्थानंतरण आदेश जारी किया गया एवं उक्त आदेश में उल्लेखित किया गया की उक्त अधिकारी/ कर्मचारी को 02 सप्ताह के भीतर कार्य मुक्त कर संबंधित कार्यालय को सूचित करें परंतु 20 दिवस बीत जाने के बाबजूद उक्त आदेश पर ना तो संबंधित को कार्यमुक्त किया गया और ना ही वरिष्ठ कार्यालय को कोई सूचना प्रदाय किया गया जिससे सिद्ध होता है की जिम्मेदार अधिकारी कितने कर्तव्य निष्ठ है। जब से स्थानांतरण आदेश जारी हुआ है तब से लेकर आज तक ना तो उनके द्वारा किसी को प्रभार दिया गया और न ही उक्त स्थान्तरित विद्यालय में ज्वांइनिग दी गई बल्कि उक्त ट्रांसफर आदेश को लेकर बगैर अवकाश स्वीकृत कराये विद्यालय से नदारद रहकर संसोधन के चक्कर मे नेताओ के दरवाजे खटखटा रहे है।

स्थानांतरण नीति को धता बताते राजाबाबू सिंह

स्थानांतरण नीति कर्मचारियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया और नियमों को निर्धारित करती है। यह नीति विभिन्न सरकारी विभागों में लागू होती है, और इसका उद्देश्य कर्मचारियों की तैनाती को व्यवस्थित करना दक्षता बढ़ाना और कर्मचारियों के लिए उचित अवसर प्रदान करना है। परंतु पिछले एक दशक से अंगद की तरह पॉव जमाये बैठे राजाबाबू सिंह पर स्थान्तरण नीति लागू नहीं होती क्या स्थानांतरण आदेश का पालन न करने पर राजाबाबू सिंह शासकीय सेवक के विरुद्ध बारिष्ठ अधिकारियों द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही क्यो नहीं की जा रही है।

इनका कहना है

राजाबाबू सिंह की ब्याख्याता पद के विरुद्ध पदस्थापना थी नियम विरुद्ध तरीके से माध्यमिक शाला में बतौर प्रधानाध्यापक के पद पर बने हुये थे। 20 दिन पूर्व उनका स्थानांतरण राजनगर हो गया है जिन्हें वरिष्ठ कार्यालय से बात कर तत्काल कार्यमुक्त करता हूं।
भोग सिंह मरावी, प्राचार्य
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखौरा

न्यायालय में, (श्री अरविन्द कुमार बरला)
श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश महोदय, वर्ग-1 कोतमा, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)
सीएनआर नं.-MP65500016322025
उत्तराधिकार प्र.क.-MIC/SJC/11/2025
आदेश दिनांक- 02/07/2025
आगामी पेशी -18/08/2025
नोटिस
1. श्रीमती सरवनिया बाई उम्र 60 वर्ष बेवा स्व. चमरू केवट, 2. जमुना प्रसाद केवट उम्र 45 वर्ष पिता स्व. चमरू केवट, 3. गणेश प्रसाद केवट उम्र 38 वर्ष पिता स्व. चमरू केवट, 4. मीना बाई केवट उम्र 35 वर्ष पुत्री स्व. चमरू केवट, सभी निवासी साकिन बरतराई थाना- रामनगर,तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र.....आवेदकगण बनाम
1. कार्मिक प्रबंधक राजनगर आर.ओ. उपक्षेत्र राजनगर, एसईसीएल हसदेव क्षेत्र, 2. आयुक्त भविष्य निधि कार्यालय शक्तिनगर, गुप्तेश्वर जबलपुर, पोस्ट-जबलपुर, जिला- जबलपुर म.प्र. 3. अन्य कोई जो संबंधित हो ।.....अनावेदकगण
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उतराधिकार अधिनियम 1925 वास्ते उतराधिकार प्रमाण पत्र दिये जाने बाबत
आवेदिकागण द्वारा इस न्यायालय में मृतक चमरू आत्मज वैरागी पता- साकिन बरतराई, थाना- रामनगर, तहसील- कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र. के उपरोक्त प्रकरण में सरवनिया बाई बेवा चमरू वगैरह द्वारा विधिक वारिसान होने का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र (दावा) पेश किया गया है, उपरोक्त आवेदन पत्र की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक-18/08/2025 को प्रातः 11 बजे होगी, उक्त राशि के संबंध में यदि किसी व्यक्ति, निकाय या संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वंय या अपने प्लीडर के माध्यम से इस न्यायालय में पेशी दिनांक को प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि पश्चात किसी प्रकार की आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और न्यायालय द्वारा अग्रिम आदेश पारित किया जायेगा। उक्त दिनांक को आकस्मिक अवकाश की स्थिति में आगामी कार्यदिवस पर उक्त प्रकरण की कार्यवाही की जायेगी । आज दिनांक की 07/07/25 को उक्त नोटिस पर मेरे हस्ताक्षर व पदमुद्रा से जारी किया गया।
स्थान- कोतमा, दिनांक-07/07/2025
(अरविन्द कुमार बरला)
व्यवहार न्यायाधीश
वर्ग-01 कोतमा जिला-अनूपपुर (म.प्र.)